

क्षेत्र को 10वें स्थान पर रखा गया है।

- वर्ष 2019 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में यात्रा और पर्यटन का योगदान कुल अर्थव्यवस्था में 13,68,100 करोड़ रुपए का था जो किसकल घरेलू उत्पाद का 6.8% था (194.30 अरब अमेरिकी डॉलर)।
- भारत में वर्ष 2021 तक 'वशिव वरिसत सूची' के तहत 40 साइट्स सूचीबद्ध हैं। इस मामले में वशिव में भारत का छठा स्थान (32 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मशरिती स्थल) है।
 - इनमें **धौलावीरा** और **रामपपा मंदिर (तेलंगाना)** शामिल होने वाली नवीनतम साइट्स हैं।
- वतित वर्ष 2020 में भारत में पर्यटन क्षेत्र में 39 मिलियन नौकरियों थीं जिनकी देश में कुल रोजगार में 8.0% हसिसेदारी थी। वर्ष 2029 तक यह आँकड़ा लगभग 53 मिलियन नौकरियों तक पहुँचने की उम्मीद है।

■ महत्त्व:

- **सेवा क्षेत्र:**
 - यह सेवा क्षेत्र को गति प्रदान करता है। पर्यटन उद्योग के विकास के साथ एयरलाइन, होटल भूतल परविहन आदि जैसे सेवा क्षेत्र में लगे व्यवसायों की संख्या में बढ़ोतरी होती है।
- **वदिशी वनिमिय:**
 - भारत में आने वाले वदिशी यात्रियों से वदिशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।
 - वर्ष 2016 से 2019 तक वदिशी मुद्रा आय में 7% की CAGR की बढ़ोतरी हुई लेकिन वर्ष 2020 में COVID-19 महामारी के कारण इसमें गरिावट आई।
- **राष्ट्रीय वरिसत का संरक्षण:**
 - पर्यटन साइट्स के महत्त्व और उन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करके राष्ट्रीय वरिसत एवं पर्यावरण के संरक्षण में मदद मलि सकती है।
- **सांस्कृतिक गौरव का नवीनीकरण:**
 - वैश्विक स्तर पर पर्यटन स्थलों की सराहना होने पर भारतीय नवासियों में गर्व की भावना पैदा होती है।
- **ढाँचागत विकास:**
 - आजकल यात्रियों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिये अनेक पर्यटन स्थलों पर बहु-उपयोगी अवसंरचना विकसित की जा रही है।
- **मान्यता:**
 - यह भारतीय पर्यटन को वैश्विक मानचित्र पर लाने, प्रशंसा अर्जति करने, मान्यता प्राप्त करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की पहल करने में मदद करता है।
- **सांस्कृतिक कूटनीति को बढ़ावा:**
 - एक सॉफ्ट पावर के रूप में पर्यटन, सांस्कृतिक कूटनीति को बढ़ावा देने में मदद करता है, लोगों के मध्य जुड़ाव से भारत और अन्य देशों के बीच दोस्ती व सहयोग को बढ़ावा देता है।

■ चुनौतियाँ:

- **बुनयािदी ढाँचे में कमी:**
 - भारत में पर्यटकों को अभी भी कई बुनयािदी सुवधाओं से संबधति समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे-खराब सड़कें, पानी, सीवर, होटल और दूरसंचार आदि।
- **बचाव और सुरक्षा:**
 - पर्यटकों, वशिषकर वदिशी पर्यटकों की सुरक्षा पर्यटन के विकास में एक बड़ी बाधा है। वदिशी नागरिकों पर हमले अन्य देशों के पर्यटकों का भारत में स्वागत करने की क्षमता पर प्रश्नचहिन लगाता है।
- **कुशल जनशक्त की कमी:**
 - कुशल जनशक्त की कमी भारत में पर्यटन उद्योग के लिये एक और चुनौती है।
- **मूलभूत सुवधाओं का अभाव :**
 - पर्यटन स्थलों पर पेयजल, सुव्यवस्थति शौचालय, प्राथमिक उपचार, अल्पाहार गृह आदि जैसी मूलभूत सुवधाओं का अभाव।
- **मौसमी:**
 - अक्तूबर से मार्च तक छह महीने पर्यटन में मौसमी व्यस्तता सीमति होती है, जबकि नवंबर और दसिंबर में भारी भीड़ होती है।

■ संबधति पहल:

- **सुवदेश दरशन योजना:** इसके तहत पर्यटन मंत्रालय 13 चहिनति थीम आधारित सरकटिस के बुनयािदी ढाँचे के विकास हेतु राज्य सरकारों/केंद्रशासति प्रदेशों के प्रशासन को केंद्रीय वतितिय सहायता (CFA) प्रदान करता है।
- **तीरथयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, वरिसत संबद्धन अभियान पर राष्ट्रीय मशिन:**
 - पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 में चहिनति तीरथस्थलों के समग्र विकास के उद्देश्य से प्रसाद योजना शुरू की गई थी।
- **प्रतषिठति पर्यटक स्थल:**
 - **बोधगया, अजंता और एलोरा** में बौद्ध स्थलों की पहचान **प्रतषिठति पर्यटक स्थल** (भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाने के उद्देश्य से) के रूप में विकसित करने के लिये की गई है।
- **बौद्ध सम्मेलन:**
 - बौद्ध सम्मेलन भारत को बौद्ध गंतव्य और दुनिया भर के प्रमुख बाजारों के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक एक वर्ष के अंतराल में आयोजति कया जाता है।
- **देखो अपना देश' पहल:**
 - इसे पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 में शुरू कया गया था ताकि नागरिकों को देश के भीतर व्यापक रूप से यात्रा करने के लिये प्रोत्साहित कया जा सके तथा इस प्रकार घरेलू पर्यटन सुवधाओं एवं बुनयािदी ढाँचे के विकास को सक्रम बनाया जा सके।

आगे की राह

- सभी प्रकार के बुनियादी ढाँचे (भौतिक, सामाजिक और डिजिटल) का तेज़ी से विकास समय की मांग है।
- पर्यटकों की सुरक्षा प्राथमिक कार्य है, जिसके लिये एक आधिकारिक गाइड प्रणाली शुरू की जा सकती है।
- भारतीय नविसर्धियों को पर्यटकों के साथ उचित व्यवहार करने के लिये प्रेरित किया जाना चाहिये ताकि पर्यटकों को किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी का सामना न करना पड़े।
- मौसमी समस्या को हल करने के लिये पर्यटन के अन्य रूपों जैसे चकित्सा पर्यटन, साहसिक पर्यटन आदि को बढ़ावा देना चाहिये, साथ ही ऑफ-सीज़न रथियत इसका दूसरा उपाय हो सकता है।
- भारत का विशाल आकार और प्राकृतिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक विविधता भारतीय पर्यटन उद्योग को अपार अवसर प्रदान करती है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/draft-national-tourism-policy>

